डॉ. थुन्बुई

<table>
<tr><td>पदनाम</td><td colspan="3">सहायक आचार्य</td></tr>
<tr><td>विभाग</td><td colspan="3">हिंदी साहित्य</td></tr>
<tr><td>मुख्यालय / क्षेत्रीय केंद्र</td><td colspan="3">केंद्रीय हिंदी संस्थान, दीमापुर केंद्र</td></tr>
<tr><td>ईमेल</td><td colspan="3">thunbuinewmai@gmail.com</td></tr>
<tr><td>शैक्षिक योग्यताएँ</td><td colspan="3">एम.ए.(हिंदी), बी.एड., नेट, पी-एच. डी.</td></tr>
<tr><td rowspan="2">कार्य अनुभव
(कुल वर्ष)</td><td>शैक्षिक</td><td>अनुसंधान</td><td>प्रशासन</td></tr>
<tr><td>-</td><td>-</td><td>-</td></tr>
<tr><td>शैक्षिक विशेषज्ञता</td><td colspan="3">• लोक संस्कृति एवं लोक-साहित्य</td></tr>
<tr><td>शैक्षणिक रूचिगत क्षेत्र</td><td colspan="3">• लोक संस्कृति एवं लोक-साहित्य</td></tr>
<tr><td rowspan="2">शोध पर्यवेक्षक (अंकों में)</td><td>पुरस्कृत</td><td>प्रस्तुत</td><td>प्रगति में</td></tr>
<tr><td>-</td><td>-</td><td>-</td></tr>
<tr><td rowspan="2">शोध पत्र (अंकों में)</td><td colspan="2">प्रकाशित</td><td>भेजी गयी</td></tr>
<tr><td colspan="2">5</td><td></td></tr>
<tr><td>शोध पत्र के शीर्षक (अधिकतम 5)</td><td colspan="3">• नागालैंड तथा उसकी जनजातियाँ, बहुवचन, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, ISSN-2348-4586
• हिंदी अध्ययन- समस्याएँ एवं निराकरण की संभावनाएँ (नागालैंड के सन्दर्भ में)पूर्वोत्तर भारती दर्पण, कोहिमा, जु.-दि. 2015, ISSN-2347-6931
• हिंदी एवं नागा जनजाति की भाषाओँ का अंतर्संबंध, कंचनजंघा, गंगटोक, प्रवेशांक- मई 2020, ISSN-2582-6530
• जेलियांग जनजाति एवं उनका लोक,PIJSSL, Vol.-2, Issue- 9, सितंबर 2019, ISSN-2581-6675.
• नागा संस्कृति - एक झलक, पूर्वोत्तर भारती दर्पण, कोहिमा, ज.-जू. 2016, ISSN-2347-6931</td></tr>
<tr><td>प्रकाशित पुस्तकों में अध्याय (अंकों में)</td><td colspan="3">4</td></tr>
<tr><td>प्रकाशित पुस्तकों में अध्यायों के शीर्षक ((अधिकतम 5)</td><td colspan="3">• नागा लोकजीवन में मोरुंग की परंपरा- जेलियांग जनजाति के विशेष संदर्भ में, पूर्वोत्तर भारत- लोक और समाज (आलोक सिंह), ISBN- 978-93-9052-18-9.
• नागा जनजातियाँ- सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन, पूर्वोत्तर भारत का सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक जीवन (डॉ. उमादेवी एवं अश्विनी माचे), ISBN-978-81-952976-6-5.
• जेलियांग जनजाति और इसकी सामाजिक संरचना, नागांचल, नराकास, कोहिमा, अंक 17, 2019.
• सांस्कृतिक पहचान के पहलू, ट्रेजर नार्थईस्ट, हेरिटेज फाउंडेशन, गुवाहाटी, जनवरी-2004.</td></tr>
</table>

Dr. Thunbui

Designation	Asst. Professor		
Department	Hindi Literature		
Headquarter/ Regional Centre	Dimapur		
Email	thunbuinewmai@gmail.com		
Educational Qualification	M.A.(Hindi), B. Ed., NET, Ph.D.		
Experience (in years)	**Teaching**	**Research**	**Administration**
	-		-
Area of Specialization	• Folk Culture and Folk Literature		
Area of Interest	• Folk Culture and Folk Literature		
Research Supervision (in numbers)	**Awarded**	**Submitted**	**In progress**
	-	-	-
Research Papers (in numbers)	**Published**	**Communicated**	
	5	-	
Titles of the Research Papers (up to 5)	• Nagaland tatha uski janjatiyan, Bahuwachan, Wardha, ISSN- 2348-4586 • Hindi Adhyayan- Samasyaen ewam Nirakaran ki sambhavnaen, Purvottar Bharti Darpan, Ju.-Dec. 2015, ISSN-2347-6931 • Hindi ewam Naga janjati ki Bhashaon ka Antarsambandh, Kanchanjangha, ISSN-2582-6530 • Zeliang Janjati ewam Unka Lok, PIJSSL, Vol. 2, Issue-9, Sept. 2019, ISSN-2581-6675 • Naga Sanskriti- ek Jhalak, Purvottar Bharti Darpan, Jan-Jun-2016, ISSN-2347-6931		
Chapters in Published Books (in numbers)	4		
Titles of the Chapters (up to 5)	• Naga Lokjiwan me morung ki Parampara, Purvottar Bharat-Lok aur Samaj (Alok Singh), ISBN- 978-93-9052-18-9 • Naga janjatiyan- Samajik Ewam Sanskritik Jiwan (Dr. Umadevi : Dr. Ashvini Mache), ISBN-978-81-952976-6-5 • Zeliang Janjati Aur Iski Samajik Sanrachna, Nagaanchal, NARAKAS, Kohima, 2019. • Sanskritik Pahchan ke Pahlu, Treasure Northeast: Heritage Foundation, Guwahati, 2004.		